

Title: Need to confer 'Bharat Ratna' Award to Late Karpuri Thakur.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : सभापति जी, माननीय गृहमंत्री जी यहां बैठे हैं और भारत रत्न देने से संबंधित जो मामला है, उसमें हम कोई राजनीति नहीं करते हैं। देश के जो महापुरुष होते हैं या ऐसे लोग होते हैं जिनका समाज के लिए योगदान होता है, उनके लिए भारत रत्न की बात की जाती है। आप हमारे गार्जियन हैं, आप जानते हैं कि हमारा संविधान सोशलिस्टिक पैटर्न का हिमायती है और सोशलिस्टिक पैटर्न किन लोगों के द्वारा लाया गया। बिहार के कर्पूरी ठाकुर जी का देश सम्मान करता है और उनका सन् 1942 से लेकर आज तक क्या योगदान रहा है, यह सभी को मालूम है। उसके बाद आदरणीय लोहिया जी, आदरणीय जयप्रकाश नारायण जी ऐसे व्यक्ति रहे हैं जिनके कारण आम आदमी और गरीबों को अपने आर्थिक और सामाजिक हक के लिए लड़ने की ताकत मिली। गरीबों को शोषण के खिलाफ उठ खड़े होने का जो जज्बा मिला, उसमें जयप्रकाश नारायण, डॉ. लोहिया और कर्पूरी ठाकुर जी का कितना बड़ा योगदान है। साथ ही मैं कहना चाहूंगा कि समाज के अंतिम पायदान पर रहने वाले व्यक्तियों के हित में, बाबू जगजीवन राम जी के बाद, आदरणीय काशीराम जी ने भी संघर्ष किया। माननीय कर्पूरी ठाकुर जी, जयप्रकाश नारायण जी और लोहिया जी को आप अच्छी तरह से जानते हैं जिनके मुलायम सिंह जी से लेकर लालू यादव जी, नीतीश कुमार, चौधरी चरण सिंह, देवी लाल जी और हम सभी लोग उनका आदर करते हैं। आप सब जानते हैं कि सुभाष चन्द्र बोस भारत रत्न से बहुत ऊपर हैं, उन्हें सारी दुनिया जानती है। गृह मंत्री जी, हम आपसे आग्रह करेंगे कि इन चारों व्यक्तियों को, जे.पी., लोहिया, कर्पूरी ठाकुर और काशी राम जी को आप भारत रत्न देने के बारे में आप गंभीरता से विचार करें और वह आपकी ही सरकार कर सकती है, ऐसा मुझे विश्वास है। धन्यवाद।

माननीय सभापति :

श्री धर्मेन्द्र यादव को श्री राजेश रंजन जी द्वारा उठाये गये मुद्दे के साथ सम्बद्ध किया जाता है।